



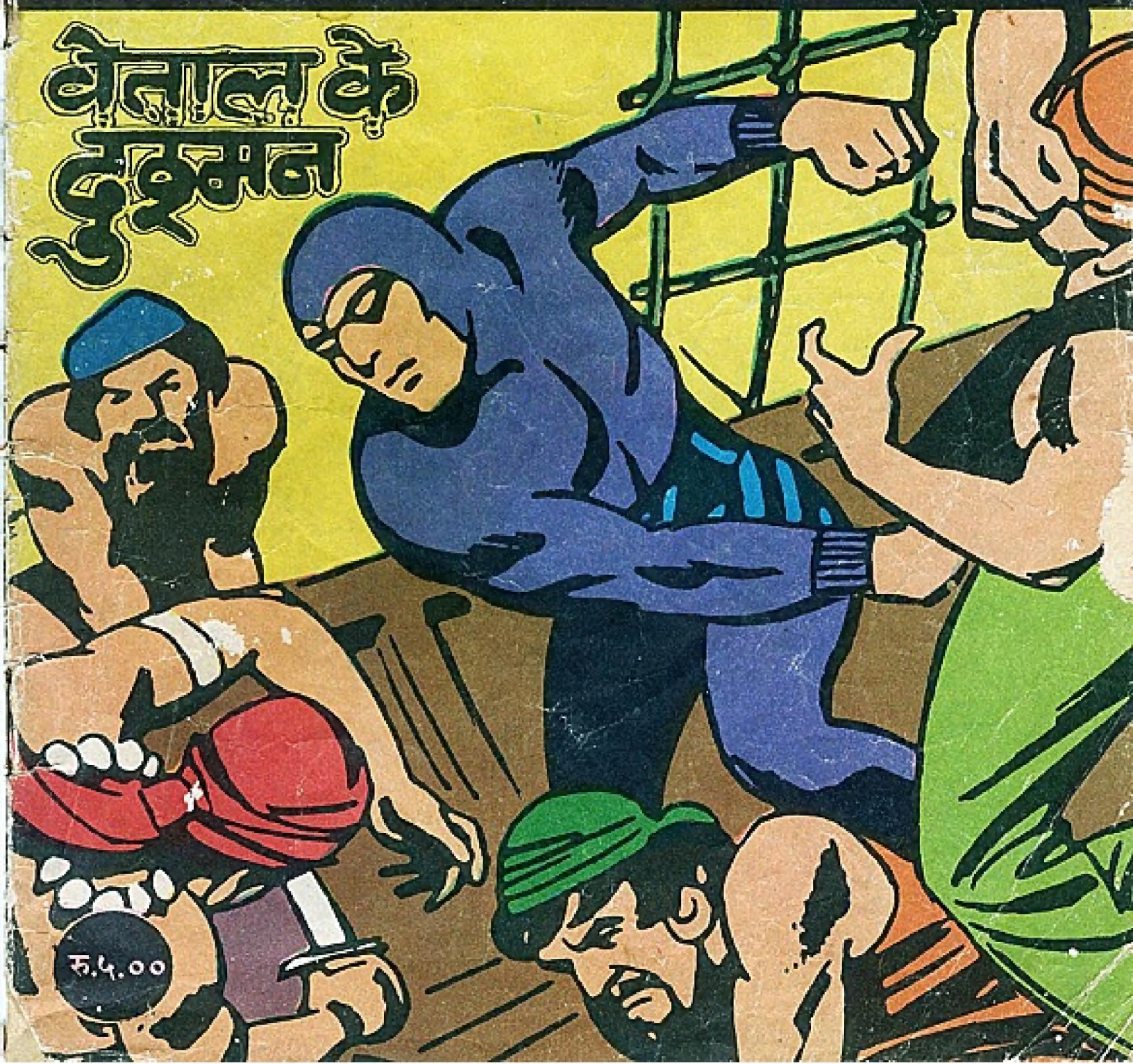
# इंद्रजाल कामिक्स



खंड २६ संख्या ३९

टाइम्स ऑफ इंडिया प्रकाशन

## वेताल के कुश्मन्त



रु.५.००





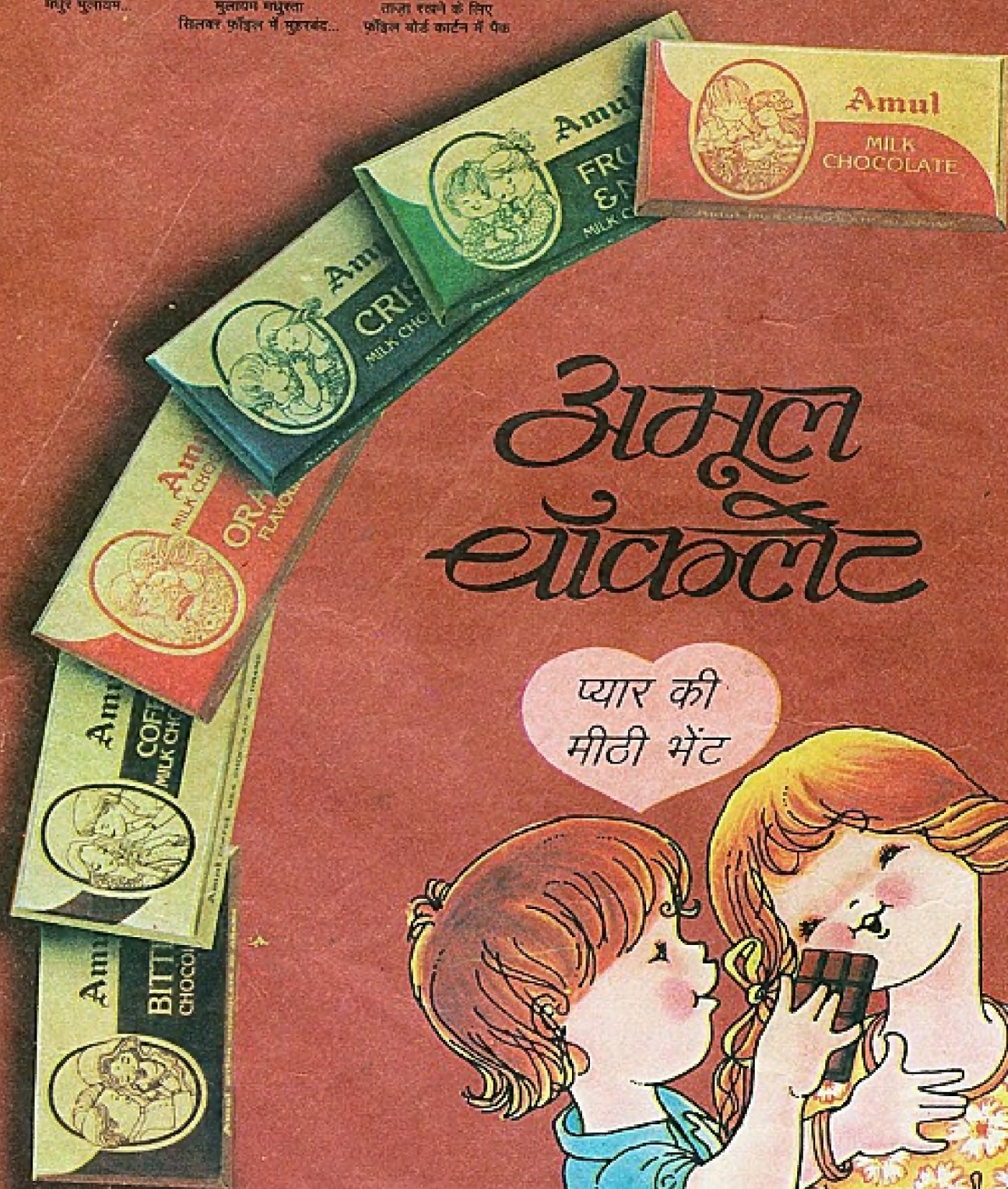
गहुरे मूलायम...



मुलायम गहुरेला  
सिलवर फ़ॉइल में सुहरबंद...

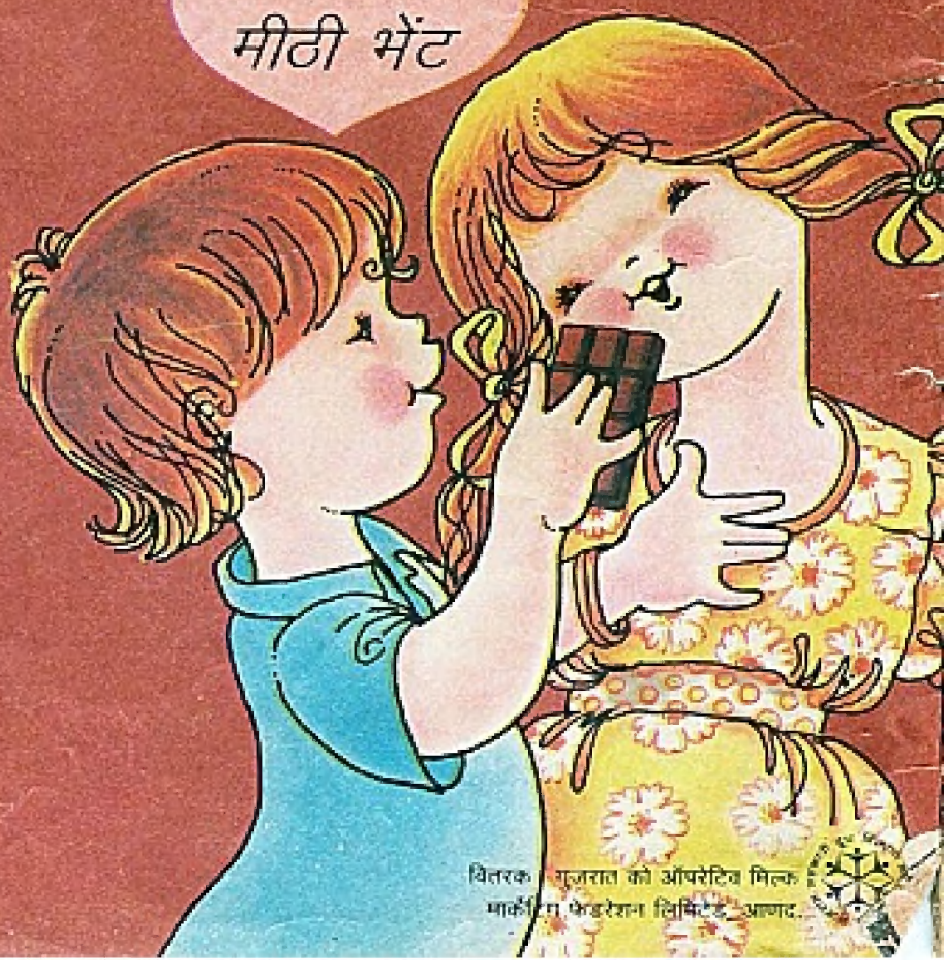


सकल रसने के लिए  
फ़ॉइल बोर्ड कार्टन में पैक



# अमूल चॉकलेट

प्यार की  
मीठी भेंट



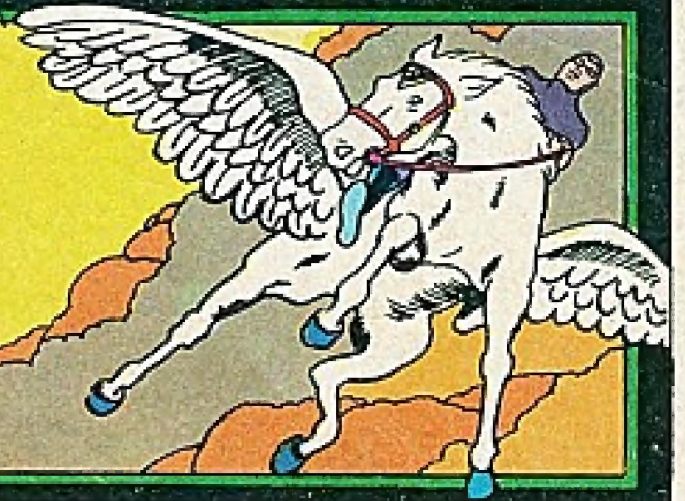
अमूल मिल्क चॉकलेट  
अमूल फ़्रूट एण्ड नट  
अमूल क्रीम  
अमूल ऑरेंज  
अमूल कॉफी  
अमूल बिटर

वितरक: गुजरात को ऑपरेटिंग मिल्क  
मार्केटिंग फ़ेडरेशन लिमिटेड, अहमदाबाद





# वेल्हाल्य के दुश्मन



जंगल पार "पहाड़ी बलाका" ऐसे राजाओं का प्रदेश जो अब भी मध्य युरोप शान-शौकत में जी रहे थे.



मूर्ख! मेरी काफी में इतनी चीनी डाल दी!

उनमें सबसे अधिक शक्ति-शाली, घमण्डी और बिगड़ा हुआ था ओर्क.

माफ़ करें, मालिक "उह"

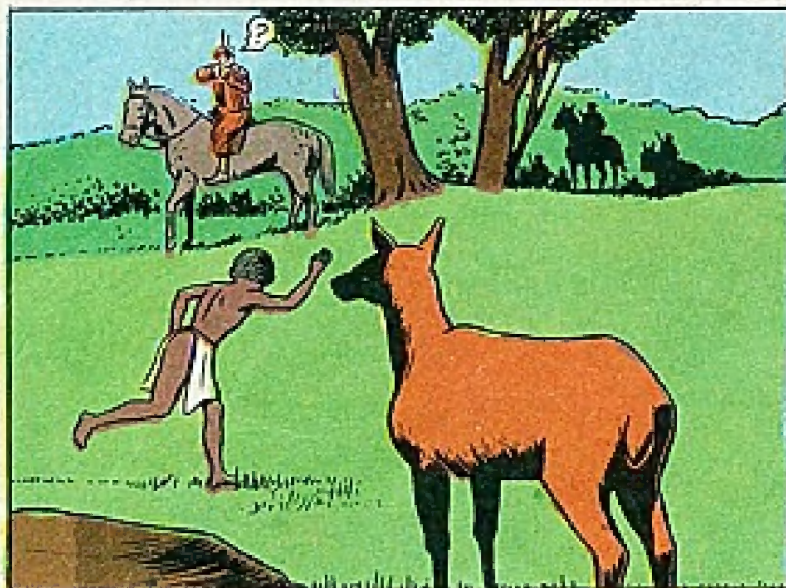


ओर्क अक्सर पान्स के जंगलों में जाकर खेलता था.

हः... कब है मेरा प्रिय शिकार!



















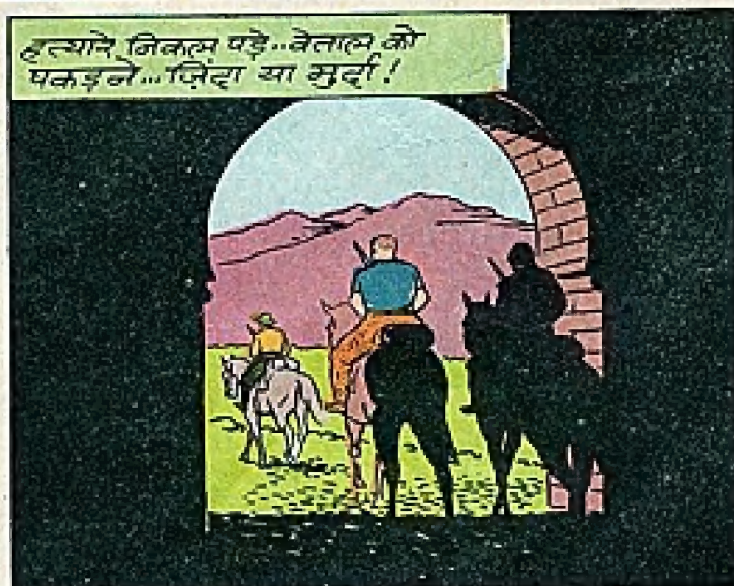














ओर्क के तीनों हत्यारे एक ही  
जात सोच रहे थे...



बेताल की अकेला पकड़  
लूंगा... इन दो को स्वतंत्र  
करके खमरा खोला अपने  
पास रख दूंगा.

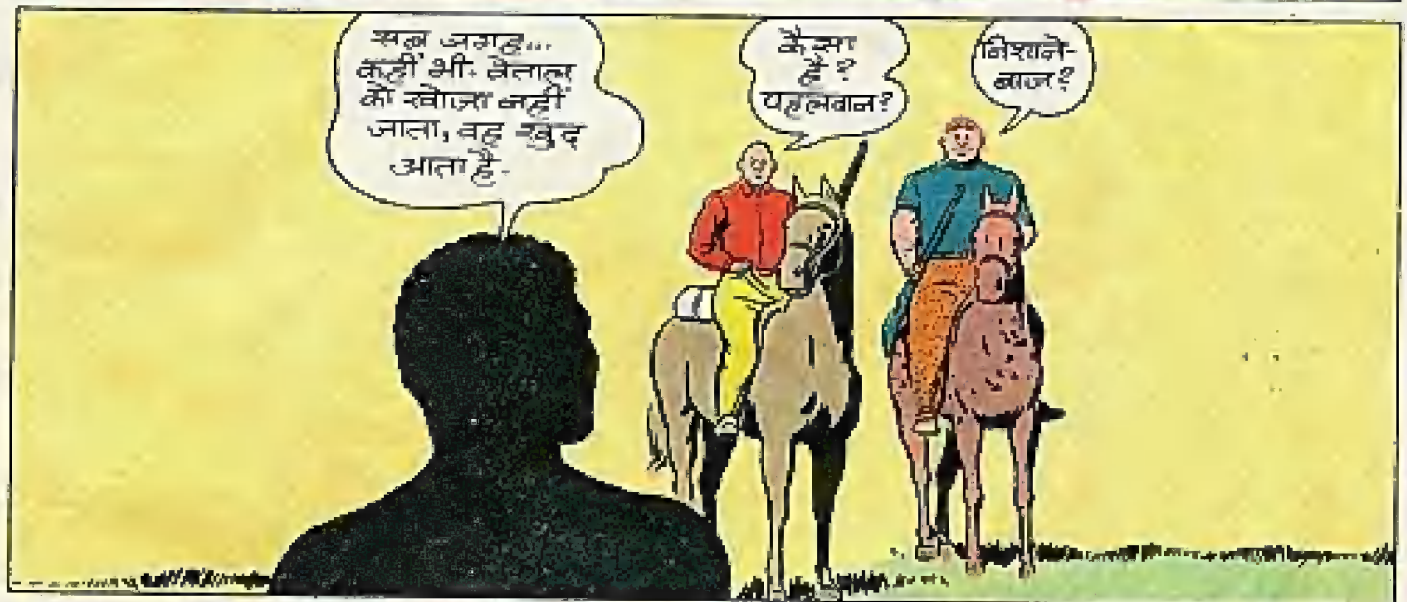
... जंगल की ओर.



बेताल का  
नाम सुना  
है ?

जंगल में  
किसने  
नहीं  
सुना ?

कहो  
मिलेगा  
तो ?



सब जगह...  
कहीं भी. बेताल  
की खोज नहीं  
जाती, वह खुद  
आता है.

कैसा  
है ?  
पहलवान ?

विशाले-  
बाज ?



"पहलवान ? उससे ज्यादा  
लकलकर कोई है ? भावे  
से शेर का शिकार...  
गोरिल्ला से  
कुदली..."



"योग कहते हैं, वह हथ से पेड़  
उखाड़ लेता है मुझे इतना शक  
नहीं."



"सौ कदम की दूरी से बहुत जेली चलाकर सूअर के कान पर बैठी मख्खी का निशाना लगा सकता है... सूअर को कुछ नहीं होता!"



तीनों आदमी... एक ही विचार...

वेताल को खोजने तक इन दोनों के साथ ही रहना चाहिए.



तुममें से किसी ने सुना है वेताल कहाँ है?

यह मत कहना कि तुम वेताल को नहीं देखते, तुम्हें खोजना है. बहुत सुन लिया यह.



सुना है, वह कल खोजा गांव में था.

हां, गांवों गांव में भी.



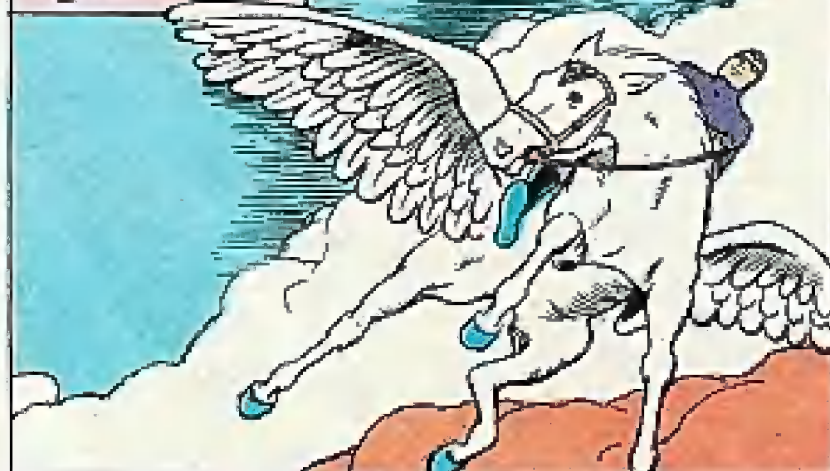
कैसे हो सकता है? सोना और गांवों में 5000 मील की दूरी है. जंगल में कोई रास्ता भी नहीं है.

वेताल एक साथ दो जगह हो सकता है.

कभी-कभी तीन जगह भी.



"जो कहते हैं, वेताल और उसका छोड़ा कूपन चिट्टियों की तरह उड़ते हैं... शायद यह सच न हो...."



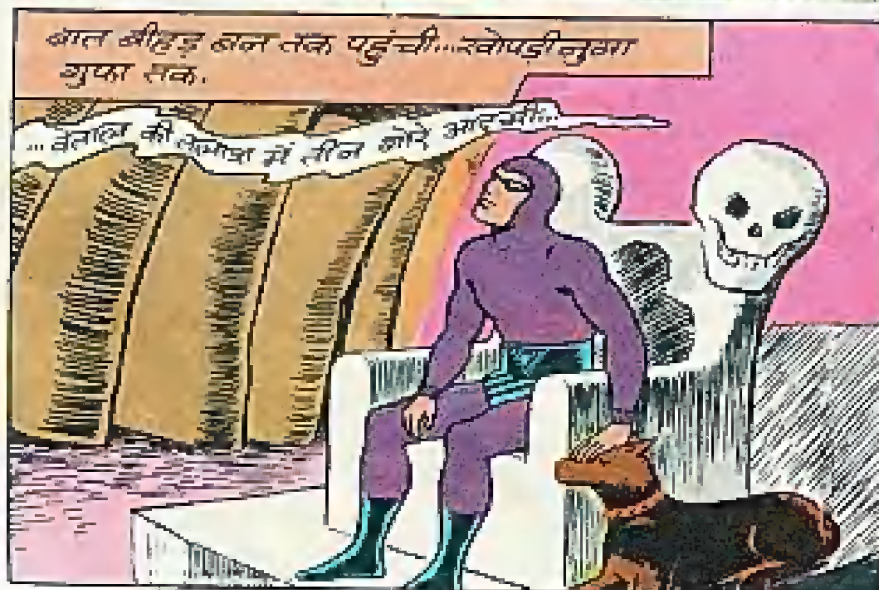
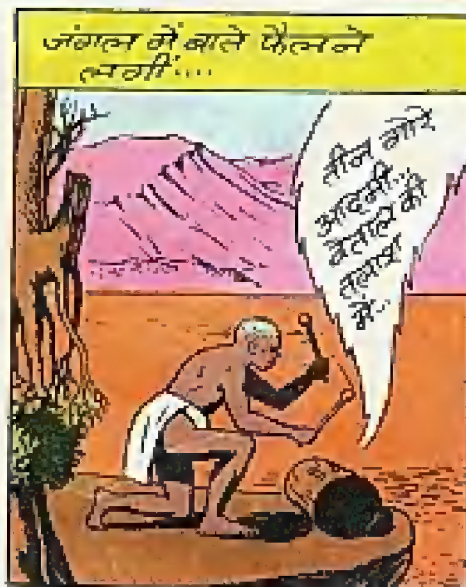
यह सच है!

मैंने कहा शायद!

अच्छा, यह बातों क्या उस होगी उसकी?











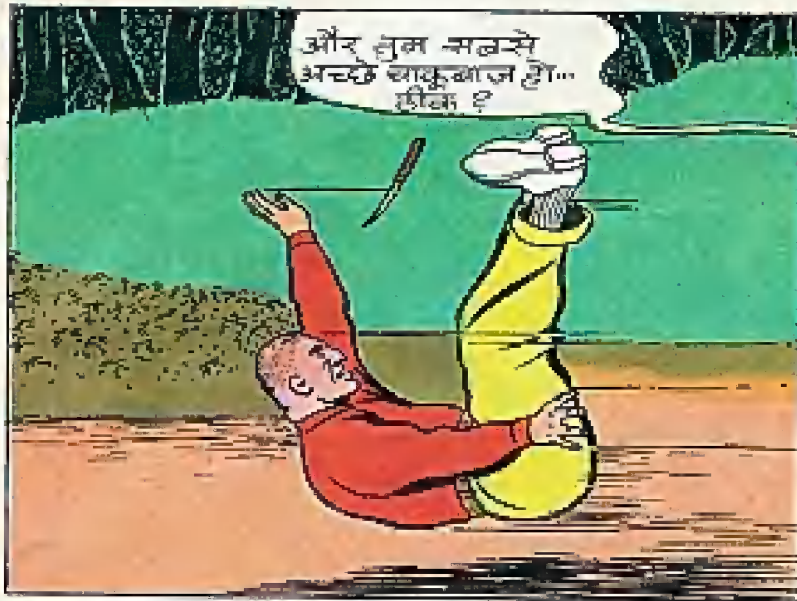




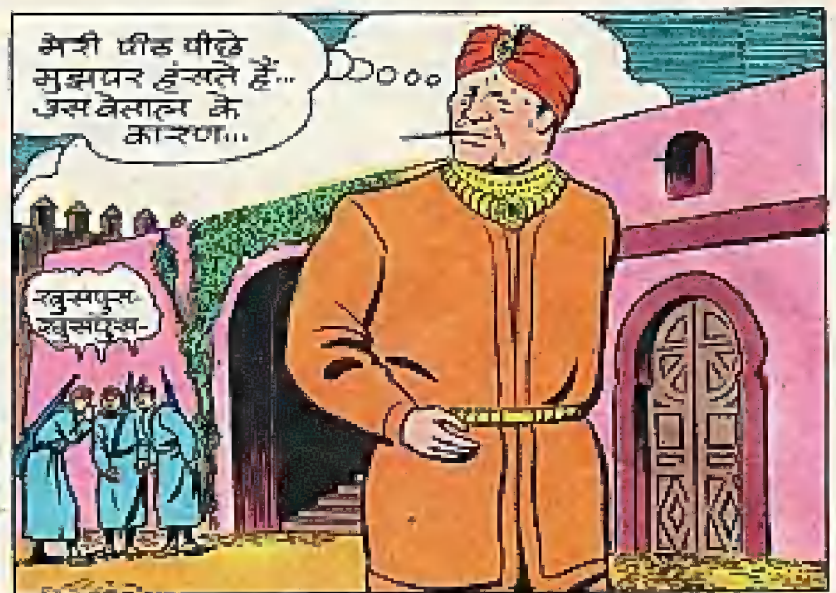




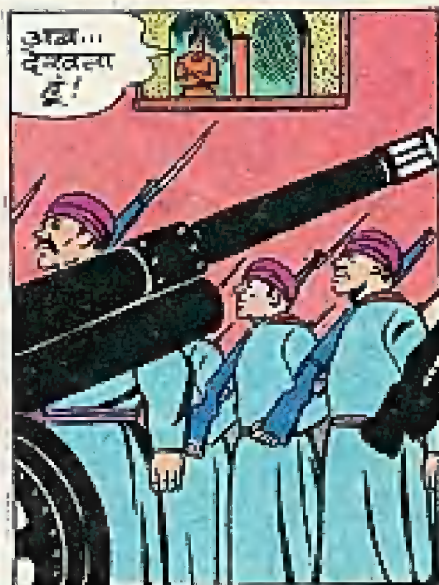














सारा जंगल टॉम-टॉम की आवाजों से  
गूँज उठा...

ओर्क की सेना... बेताल की सेना में.....



ओर्क बुरा  
आदमी है, मेरे  
पोले को हट  
साव रहा था  
बेताल ने  
उसे  
सेना.

और ओर्क ने पूरी  
सेना भेज दी...  
बेताल को  
पकड़ने के  
लिए!

बेताल  
सारी सेना  
को हरा  
सकता  
है!



पूरी सेना को संभालना बेताल  
के लिये भी मुश्किल हो सकता  
है. सुना है, उन्हें रास्ता बतानेवाले  
चाहिए.

हम  
हैं तो पथ-  
प्रदर्शक.



ये चार हैं... पथ-प्रदर्शक.  
ये हमें बिल्कुल सच  
तक ले जायेंगे...  
वह जहाँ भी है.

तत्काल  
कूच करो.



हमारा भारी सामान पार  
कैसे चढ़ायेगा? जरूर  
कोई और रास्ता भी  
होगा.

और कोई  
रास्ता नहीं  
है... बिल्कुल  
बन का!



तो ये  
इसके पार  
नहीं जा  
सकते.

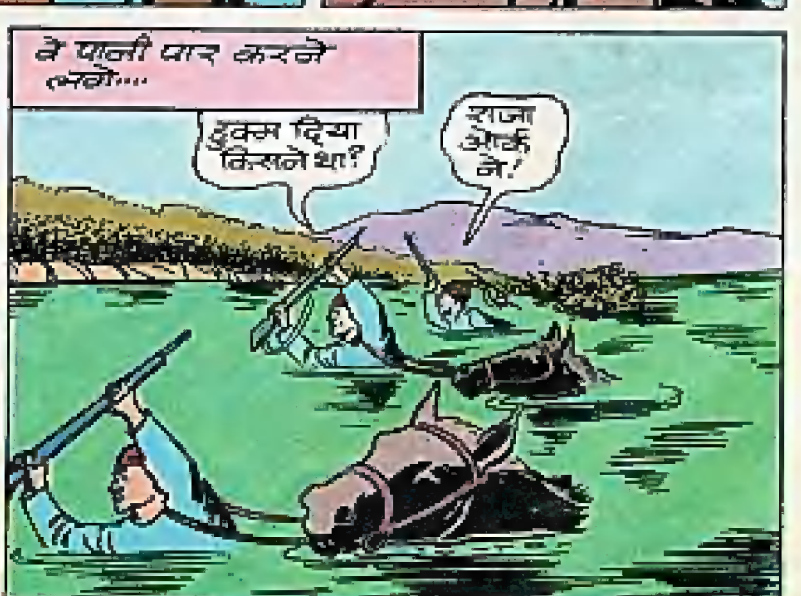
उन्हें यहीं छोड़  
दो घुड़सवार  
और पैदल सेना  
आगे बढ़े. एक  
आदमी के लिए वे  
काफी होंगे.



वे पानी पार करने  
लगे...

हुकम दिया  
किसने था?

राजा  
ओर्क  
ने!

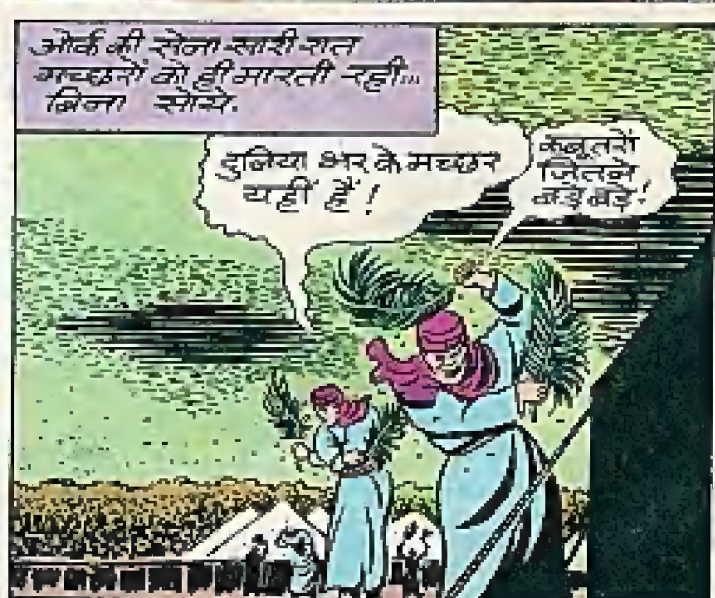




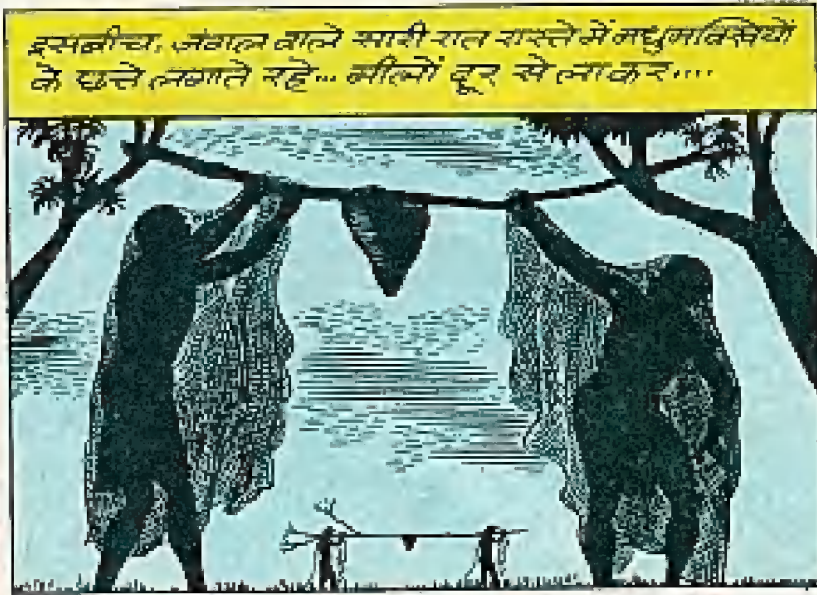
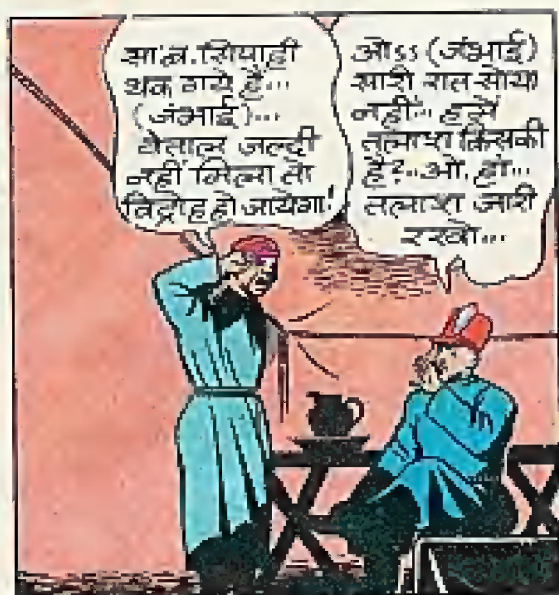




"अब पैदल सैनिक दलदल से जूझ रहे थे... हर पल उनकी गुस्सा और थकावट बढ़ रही थी..."









खबर महल तक पहुंची... ओर्क गुस्से से आग-बबूला हो गया!

५० हजार सैनिक भेजे... वेताल को पकड़ने के लिये... आता आये! मूर्ख सैन्यापतियों को बुलाओ!

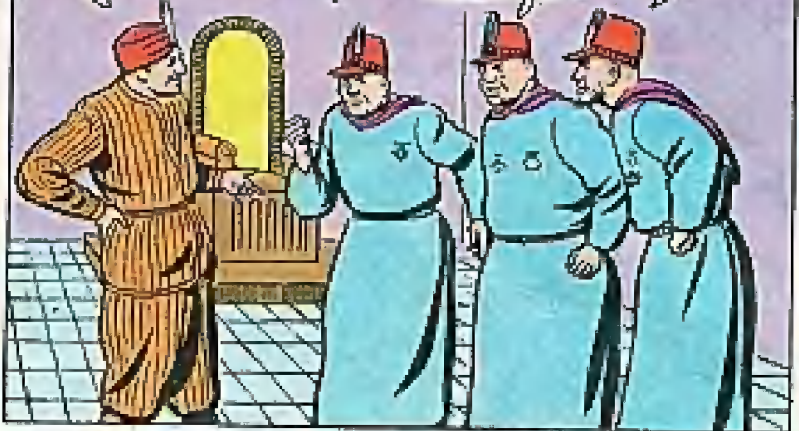


तुम्हें हरा दिया... मच्छरों और मधु-मक्खियों ने!

तोपरवाना जंगल के भीतर नहीं जा सका!

मेरे घुड़सवार भी! पूरी सेना को खराबे में डालना मुश्किल होती!

मेरी पैदल सेना तो खत्म ही कर दी थी... आपने!



तुम्हें गिरफ्तार किया जाता है!

बकवास! एक भी सैनिक तुम्हारा साथ नहीं देगा, ओर्क!

ओर्क, अब राज-काज हम संभालेंगे.

जब तक कोई नया नेता नहीं चुना जाता.



तुम ऐसा नहीं कर सकते! मैं राजा हूँ!

चुग थे!



तुम्हारे आदरियों ने ओर्क की सेना को मजबूत रखता कर मेरी जान बचायी... ओर्क!

तुम्हारे लिये कुछ करने का ओर्क को कल मिलेगा है हमें!

हमें खुशी है, हम तुम्हारे कुछ काम आ सके.



और इस तरह कथा फैल गयी... वेताल ने पूरी सेना को हराया!

५० हजार सैनिकों ने वेताल को पकड़ने की कोशिश की और उसने उन्हें खदेड़ दिया!

हमने मदद की ही क्या थी!

हां!





# शुद्ध बनाओ इकबाल

**प्रथम चरण**  
जो भी चीज़ें आप जिस भी  
आकार में बनाना चाहते हैं,  
उनकी आकृति बना लें।



**तीसरा चरण**  
कड़ी हो जाने के बाद  
इन्हें ठण्डा होने दें  
और डिस्केम्पर से  
पेंट करें. इसके  
ऊपर कई कोट  
वार्निश करें.



इन्हें आप दीवारों पर भी लटक सकते हैं  
और अपनी कार में भी. चाहे तो-घाभी के  
गुच्छे बना लें.

**दूसरा चरण**  
दो कप आटा, आधा कप नमक,  
पौना या एक कप पानी,  
एक चम्मच कॉफी लें!  
पानी में कॉफी घोलकर उसे हल्का  
रंगीन कर लें. अब सारी सामग्री  
उसमें डालकर चिकनी मिट्टी  
जैसा लौंदा बना लें.  
बस मोटे चोकर से  
चीज़ों के अलग-अलग  
हिस्से बना लें.  
इन्हें जोड़ते समय  
किनारे थोड़े गीले  
कर के दबा दें.  
तार को मोड़कर नूप  
बना लें और हर आकृति  
के ऊपर लगा लें. अब  
आटा पर सेकें या धूप में  
सख कर सुरवा लें.





# क्या तुम्हें पता था?

लोग नींद में क्यों चबलते हैं ?



हमारी दिनभर की गतिविधियां रक्त में कुछ चीजें प्रवाहित करती हैं, इनमें से एक है कैल्शियम। यह मस्तिष्क के निद्रा-केंद्र को उत्तेजित करता है। सक्रिय होने के बाद निद्रा-केंद्र पहले मस्तिष्क के एक हिस्से को बंद कर देता है, ताकि हममें जेतना न रहे। (मस्तिष्क निद्रा) फिर यह मस्तिष्क की कुछ नसों को बंद करता है, ताकि भीतर और बाहरी अवयव से जाएं (शरीर निद्रा) सामान्यतः यह दोनों स्थितियां एक-दूसरे में जुड़ी होती हैं; पर ऐसे व्यक्ति में, जिसका रसायु तंत्र सामान्य प्रतिक्रिया नहीं करता, ये दो स्थितियां असंबद्ध हो जाती हैं। ये लोग नींद में चबला करते हैं।

नींद में चबलने की क्रिया अक्सर बचपन से जुड़ी होती है, जबकि बिना पूरी तरह जगे अच्छा बिस्तर से उठकर चबलने लगता है और जगने पर उसे यह याद नहीं रहता। यह स्थिति अक्सर कुछ मिनट से लेकर आधा घंटे तक रहती है, और लगता है, स्वप्न-रहित निद्रा के दौरान ऐसा होता है। अच्छे की निगाहें खाली-सी होती हैं, वह देख सकता है, पर किसी अन्य की गतिविधि का कोई असर उसपर नहीं पड़ता। घटना के बाद मस्तिष्क पर हानिकारक असर नहीं होता। इसका इलाज मनश्चेकित्सक ही कर सकता है।

— इकबाल



# World-Famous Series

A Series of 50 Mini-Encyclopedias  
of Mass Appeal



विश्व-प्रसिद्ध श्रृंखला



Titles  
available  
in Hindi!

Man has always been curious to know... What is Famous...? Who is Famous...? Where is that Famous...? How or Why is that Famous... More Famous, Most Famous?

This series—called the 'World Famous Series' is an attempt to satiate this inquisitive nature of man. The aim is to create awareness amongst masses concerning about various aspects of human interests viz. Discoveries, Mysteries, Adventures, Philosophies, Religions, Sports, Cultures, Revolutions, Civilizations etc.

Authors, writers/translators are invited to join the project.

- Authentic text • Hundreds of rare photographs & lively illustrations.
- Simple & lucid style • Phototype set
- Very reasonably priced.

New  
Releases



120-152 Demy size pages  
Price: Rs. 18/- each  
Postage: Rs. 4/- each

Postage free on 4 and more books



AVAILABLE AT leading bookshops, A.H. Wheeler's and Hignortham's Railway Bookshops throughout India or ask by V.P.P. from—

**PUSTAK MAHAL** Khari Baoli, Delhi-110006.

Show Room: 10-B, Hotel Gulab Bagh, New Delhi-110002. Phone: 258282-83  
Dr. C.P. 23/2, Minato Road (Shri Ram's Compound), Bangalore-560027, Ph: 234025





यात्रायात के साधनों के इतिहास में कर्निकॉर्ड का अविष्कार एक बेमिसाल भवसाक्ष है। आवाज़ से भी तेज़ पत्थार यह हवाई-जहाज़ अपने यात्रियों को २,१०० कि.मी. प्रति घंटे की अद्भुत गति से उनकी मंजिल की ओर ले जाता है।

पिछली बार तुमने हमारे साथ (जबकि कैलाशलाल, कोठी बाइर, राम पो और मेरे साथ) जानकों की अजीबोगरीब दुनिया की रंग की थी न? तो आओ इस बार हम तरह-तरह की सजावियों के मजे लेंगे। सजावियों की दुनिया की कोई कम दिलचस्प नहीं होती, तो बचो, हमेशा की तरह अपने पैंतीस पेट को फाट कर जान से गुण दो ताकि देखते ही देखते तुमसम अपना विश्व-कोश तैयार हो जाए।

आओ सवारी करें !

[illegible]

यह तब की बात है जब मैं  
अबले से ही पढ़ाई शुरू की।  
निकल पढ़ाई या मैं पढ़ाई नहीं करती थी।

[illegible][illegible]

**ब** भाषा की संवाक्यगत मूल इकाई है। यह वाक्यगत एक, अद्वय-व्यक्ति है जो एक ही अर्थ को व्यक्त करती है। यह वाक्यगत है या इसकी तीन संवाक्यगत इकाई में किसी भी इकाई में नहीं है।

असल बात खोजो! इस तरह-सी कर दो  
कैसे और इस तरह से कहो  
अपनी सब बातों को निकालो।

और पहली बार? जो हाँ, वह छोटी से टिप्पणी  
होगी जो धूप में जलने वाली उस कार की गाँव ५ कि.मी.  
की दूरी पर होगी। किन्तु छोटी मुठी अर्थों में बड़ा कदम था।  
उसी कार बत्ताये गए १८८५ में देमाला में और सन् १८८६  
में वेत नं. के कार पेटेंट से जलनी थी।

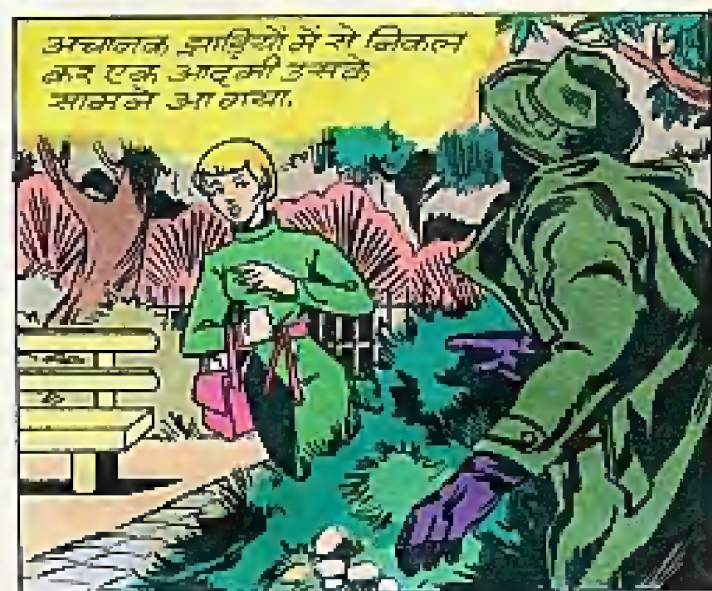
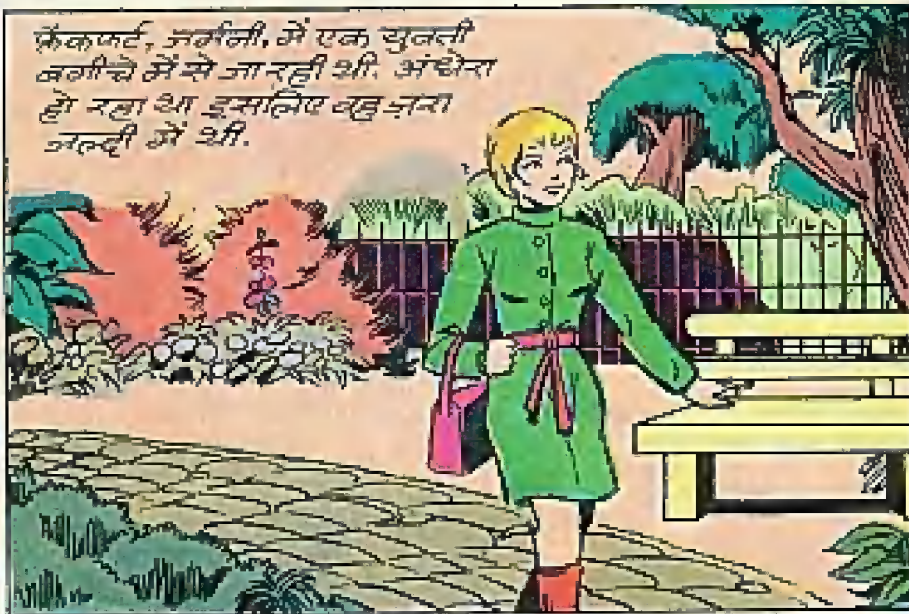
THE KING OF SWEETS

हमारा नया पंजीकृत फेज पामेट आया? तो हमें मत  
जल्द लिखिए। पता है- पंजीकृत, द किंग ऑफ़ स्पोर्ट्स,  
प्ले.आ. बिल्डिंग २०४०, मद्रास-६०० ००४.



# अपराध के खिलाफ विज्ञान

## उद्यान में हत्या



50-2/1





पुलिस ने जांच शुरू की। जल्दी ही एक सुबक पकड़ा गया। वह एक बेरोजगार मेकेनिक था, जिसके झुंड और बाहों पर ताजा खरोंचों के निशान थे, वह इस बात का संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया कि हत्या के समय वह कहाँ था। जांच से पता चला कि पहले भी वह महिलाओं के मामलों में उलझ चुका है....

अब पुलिस को पक्के सबूत चाहिए थे। सुबती के शरीर पर काटने के गहरे निशान थे, पुलिस ने उन निशानों के सांचे बनाये और उन्हें व अभियुक्त को एक ओटोटेलेग्राफ के पास ले जाया गया, डाक्टर ने उन सांचों की जांच की।



\*ओटोटेलेग्राफ शरीर के निशान को कहते हैं।



“अभियुक्त के दांतों का परीक्षण किया...”



“...और खोजपा की—

सुबती के शरीर पर इसके काटे के निशान नहीं हैं।

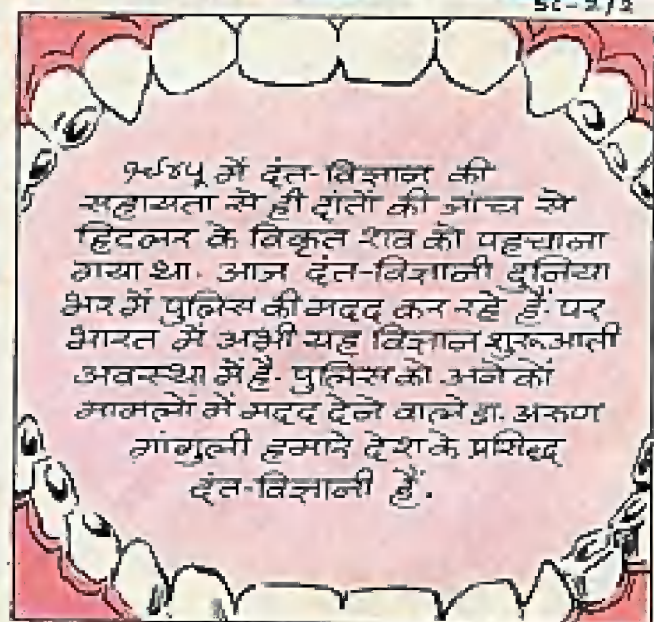
क्या ?



सुबती के शरीर पर जिस दांत के काटे के निशान हैं...

वह दांत इस व्यक्ति का नहीं है।

डाक्टर की रिपोर्ट के आधार पर न्यायालय ने उस व्यक्ति को बरी कर दिया। एक सप्ताह बाद पता चला कि बगीचे में बिजली की कड़कने के लिये गये व्यक्ति ने सुबती की हत्या की थी। दंत-विज्ञानी ने एक निरपराध को फांसी की सजा से बचा लिया।



१८४५ में दंत-विज्ञान की सहायता से ही दांतों की जांच से हिटलर के विकृत शव को पहचाना गया था। आज दंत-विज्ञानी दुनिया भर में पुलिस की मदद कर रहे हैं पर भारत में अभी यह विज्ञान शुरूआती अवस्था में है। पुलिस को अबे को मामलों में मदद देने वाले डा. अरुण गंगुली हमारे देश के प्रसिद्ध दंत-विज्ञानी हैं।



# अकल की छात - असमा रजाक

## मरीजों के वार्ड

डाक्टर-नर्सों की बातचीत से क्या तुम मरीजों के नाम, उपनाम, वे किस वार्ड में हैं और वे क्यों भरती हैं आदि बता सकते हो ?

सब वार्डों में मरीज थे. डाक्टर-नर्स लगातार काम कर रहे थे. नीचे दी गयी



अच्छा, सर. अपने पति संजय के साथ श्रीमती चरण हैं.

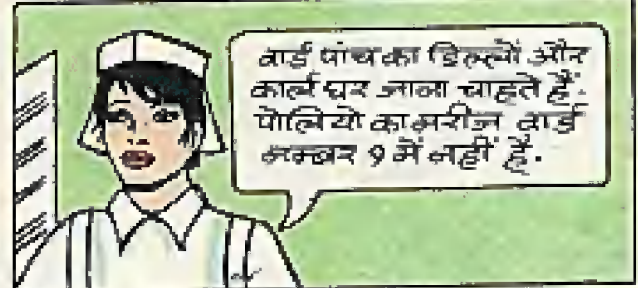
B

वार्ड नम्बर चार में डेरियन का ध्यान रखना. पीलिया वाले और बंदी के दिल की हालत कैसी है ?



वार्ड नम्बर २ का हर्निया वाला मरीज ठीक हो रहा है, सिस्टर.

गविया वार्ड नम्बर ३ में हैं. पदम को टायफाइड है.



वार्ड पांच का डिल्ली और कार्ल घर जाना चाहते हैं. पोलियो का मरीज वार्ड नम्बर ९ में नहीं है.

BD-6



वे घर जा सकते हैं. अनीता और फीरोज, जो एपेंडिक्स के मरीज नहीं हैं, ठीक हो रहे हैं.

मंत्रिमंडल फैरलदल के उत्तर:-

नाम

उपनाम

पुराना विभाग

नया विभाग

अमित

रंगा

सुरक्षा

राजस्व

शरद

दत्ता

विदेश

वैकिंग

जगनाथ

त्रिवेणी

पर्यटन

श्रम

जगजीवन

सूरज

वित्त

ग्राम विकास

योगेश

मलवान

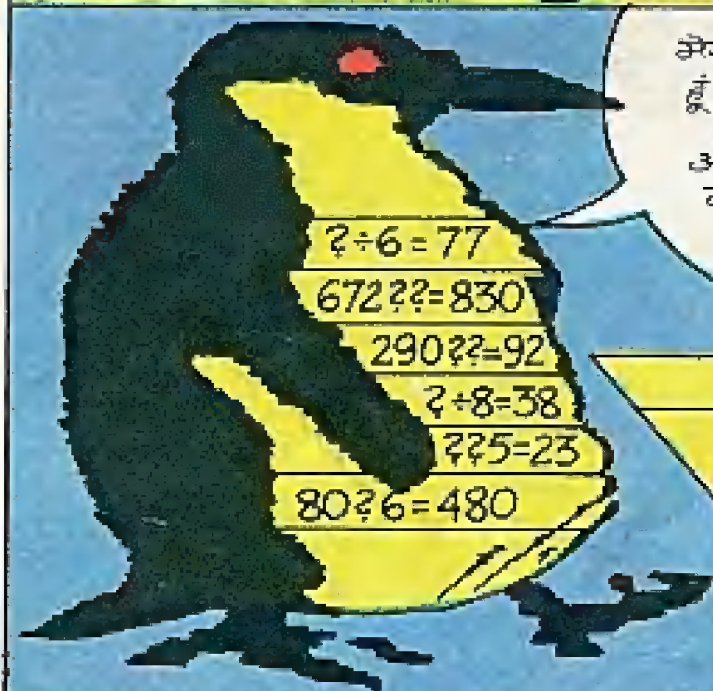
कृषि

इन्धन

उत्तर अगले अंक में



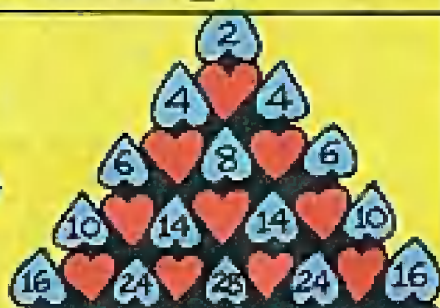
## अंक पहेली - असमा रज़ाक



मेरा नाम पेन्नी है और बहुत परेशान हूँ मैं. मेरे पेट पर कुछ सवाल लिखे हैं पर एक भी पूरा नहीं है. कुछ अंक और कुछ गणितीय चिह्न गायब हैं. मुझे समझ नहीं आ रहा, कहाँ, क्या लिखूँ! मेरी मदद करेंगे?

NP-6

डायनासोर का हल्क.



## चित्र पहेली - असमा रज़ाक



मैं यूनानी पुराकथाओं का एक पात्र हूँ जो थेबेज़ी और आर्किडिया पहाड़ों में रहा करता था. मैं आधा घोड़ा था और आधा आदमी. महान कवि होमर ने मुझे 'सेबेज़ ब्रीस्ट' नाम

चित्र पहेली ५ का उत्तर

प्याज

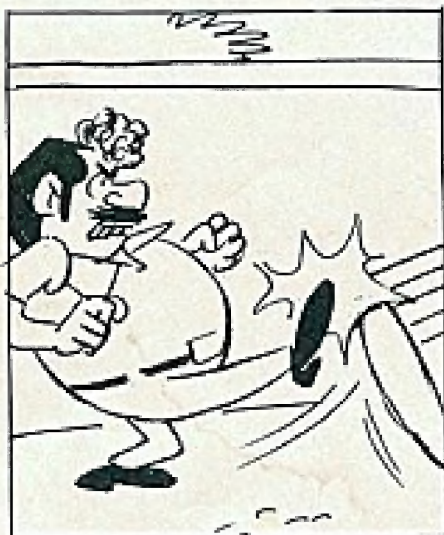
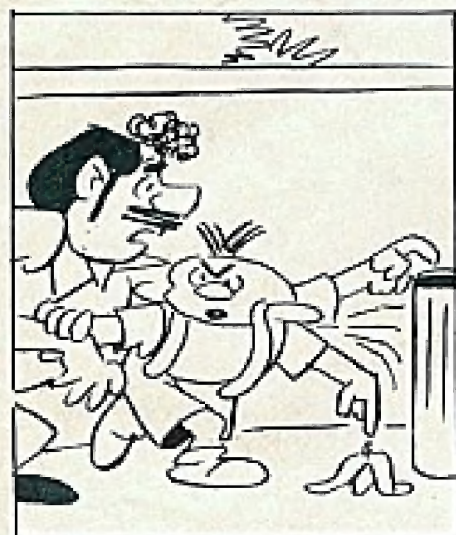
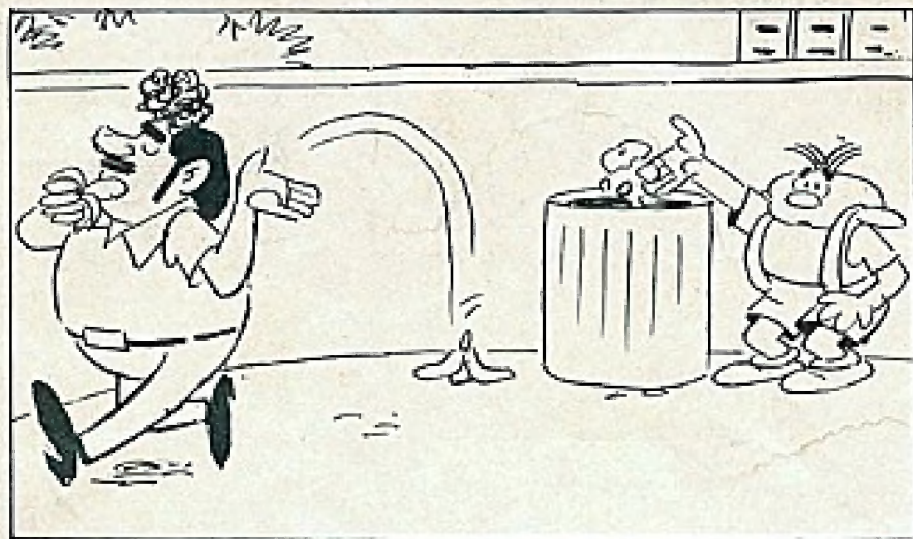


दिया था, क्योंकि ऐसा माना जाता था कि मैं जंगली जीवन जीता था. कौन हूँ मैं? मेरा उड़नड़ाया चित्र संसार सकते हो तुम?

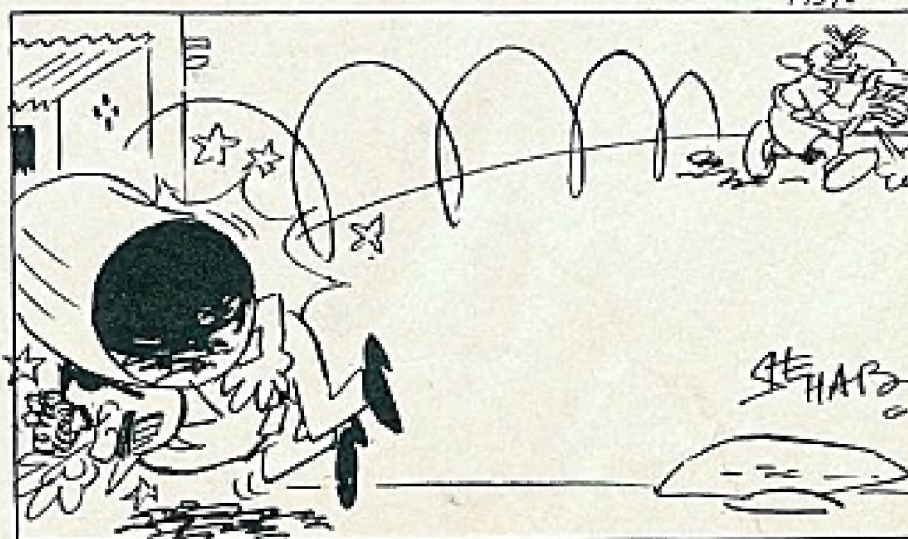
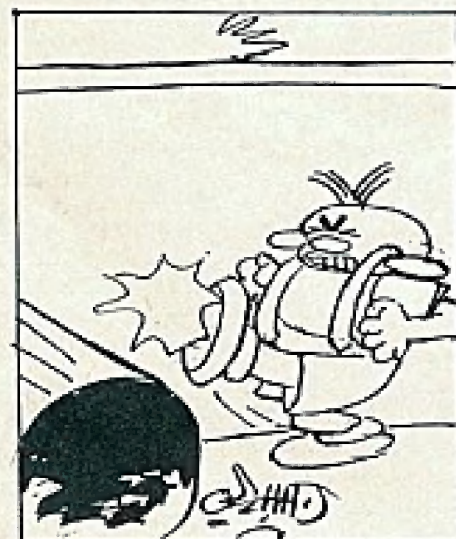
उत्तर अगले अंक में

बैंगन, कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड के लिए प्रीतिश नंदी द्वारा कॉमन प्रिंटिंग प्रा. लि. रेडियन्स प्रिंटिंग प्रेस, १६७-सी, डॉ. अनी बैसंद रोड, वरली, बंबई-४०० ०१८ में मुद्रित और प्रकाशित. संपादक: सुकुल रमन । शाखाएं: ७, महादुराहा जफर मार्ग, नयी दिल्ली-११० ००२; १३९, आश्रम रोड, अहमदाबाद-३८० ००९; १०५/७ ए.एस.एन. बैनर्जी रोड, कलकत्ता-७०० ०१४; कार्यालय: १३/१, गवर्नमेंट प्लेस ईस्ट कलकत्ता-७०० ०६९; गंगागढ़, ९-डी गुणनवक्कम हाई रोड, बद्राम-६०० ०३४; ४०/१ एस.अ. को. टॉवर्स, महात्मा गांधी रोड, बैंगलोर-५६० ००१; ४०७/१, सौरभ भवन, क्वार्टर गेट, पुणे-४११ ००२; पो. ऑ. बॉक्स ५७, ग्लुसेस्टर रोड २६ डोएस, यू.कि., लंदन, टेलि. नं. (०४५२) ३०४५४६





195/C



शेखर



Never  
Before

# A DOUBLE BENEFIT OFFER FROM INDRAJAL COMICS

The Indrajal Comics — **Tinker Toy Gift Scheme**  
PLUS  
Added Thrills and Spills in **INDRAJAL COMICS**

**ACTION** when the Phantom saves his beloved Diana from the clutches of a dreaded gang; **THRILLS** when Mandrake casts a hypnotic spell on the knackerlove Madam Siss; **ADVENTURE** when Dara exposes it upon himself to break up an international bunch of crooks.

Only **INDRAJAL COMICS** gives you all the adventure and excitement with so many daring heroes. PLUS free gifts for different age groups. Details are given below.

## FREE GIFT SCHEME

To make sure the readers don't miss this added excitement, **INDRAJAL COMICS** offers its subscribers the 'Free Indrajal Comics — Tinker Toy Gift Scheme', whereby a 12 months subscription of Rs. 120/- entitles a subscriber to a Tinker Toy. Choose any one from:

Jungle Book	Jigsaw Puzzle	5 years up
Snow White and 7 Dwarfs	Board Game	7 years up
Hare & Tortoise	Board Game	7 years up

For those readers who subscribe to **INDRAJAL COMICS** for 18 months, the subscription rate is Rs. 180/-. These subscribers are entitled to a Tinker Toy. Choose any one from:

Unity India	Jigsaw Puzzle	6 years up
Ramayan	Board Game	7 years up
Double Fun	Jigsaw Puzzle	8 years up

Current subscribers can also participate in this scheme by extending their subscription by the requisite period.

Hurry! Offer open till stocks last!

Last date — 31st December 1989

## SUBSCRIPTION COUPON

Mr. G.V. Narasimham, Sr. Circulation Manager, P.O. Box No. 213, D.N. Road, Bombay-400 001.  
(Cheque/DD/PO/MO to be drawn in favour of Bennett, Coleman & Co. Ltd.)

Dear Sir,

I am sending herewith ☐ Rs. 120/- for ☐ 12 months ☐ Rs. 180/- for ☐ 18 months subscription to **INDRAJAL COMICS**. Please send me my copies of **INDRAJAL COMICS** in: ☐ English/ ☐ Hindi/ ☐ Marathi/ ☐ Bengali/ (tick your choice ☐) along with my free gift.

Gift for 12 months subscribers  
(depending on age)

Snow White & 7 Dwarfs — Board Game ☐  
Jungle Book — Jigsaw Puzzle ☐  
Hare & Tortoise — Board Game ☐

Gift for 18 months subscribers  
(depending on age)

Unity India — Jigsaw Puzzle ☐  
Double Fun — Jigsaw Puzzle ☐  
Ramayan — Board Game ☐

Subscribers Name \_\_\_\_\_ Age \_\_\_\_\_

Address \_\_\_\_\_

PIN CODE \_\_\_\_\_ Ledger No. (for present subscribers only) \_\_\_\_\_

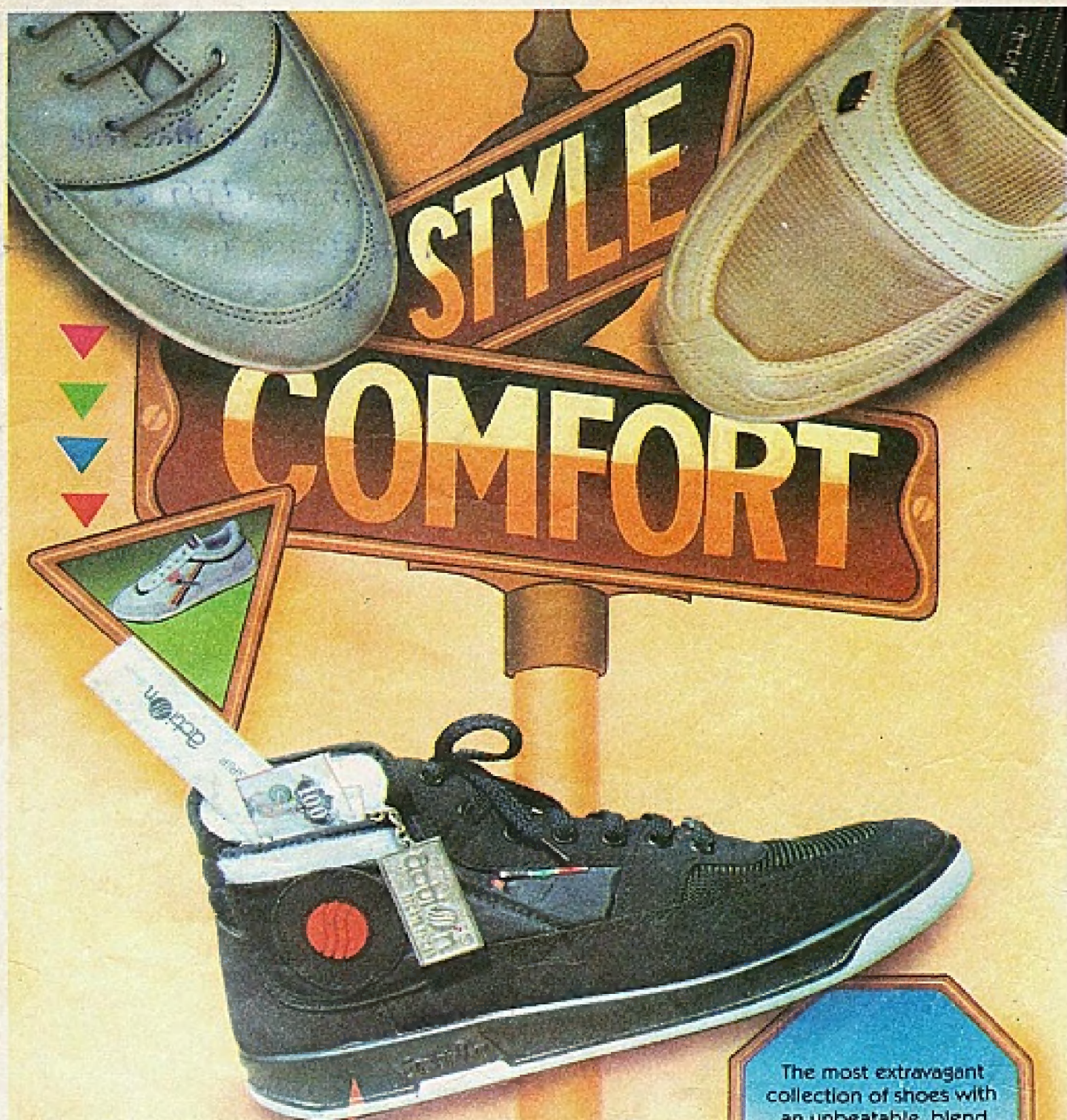


**INDRAJAL  
COMICS**

The next best thing to a live thriller.







The most extravagant  
collection of shoes with  
an unbeatable blend  
of contemporary styles  
and ultimate in comfort.

Where Style  
Meets Comfort.

**action**<sup>®</sup>





वाह ! कितना प्यारा है उपहार  
 सचमुच इसका नहीं जवाब  
 मन बार-बार खाने को मचले  
 ऐसा है मॉर्टन का स्वाद ।

बस स्टेशन के भीतर स्थित  
 स्टेशन बुक स्टाल  
 अब बस स्टेशन के बाहर, खुली के बाहर,  
 दुकान नं० ६ में है।



मॉर्टन स्वीट्स व टॉफियाँ — वर्षों से पूरे परिवार की मनपसन्द । स्वादिष्ट व पौष्टिक - इतने सारे जायकों में । चीनी, ग्लूकोज व क्रीमयुक्त शुद्ध दूध, के गुणों से भरपूर । चॉकलेट व कोकोनट कूकीज, रोज एक्लेरिस, सुप्रीम, चॉकलेट तथा कोकोनट टॉफियाँ, लेक्टोबोनबोन्स तथा अन्य अनेक मजेदार स्वादों में उपलब्ध । मुस्कुराहट भरा मॉर्टन का साथ ।

**MORTON**  
 SWEETS



मॉर्टन कन्फैक्शनरी एण्ड मिल्क प्रॉडक्ट्स फैक्ट्री,  
 पो० आ० मझौरा — ८४१४१८, जिला सारन, बिहार

चेतावनी :

MORTON स्वीट्स का लोगो एवं पैपर अंपर गैरज सुगर एंड इंडस्ट्रीज लि० का पंजीकृत प्वावर-ब्रान्ड है । किसी भी प्रकार से व्यापार-चिन्ह अधिकारों का उल्लंघन अभियोजनीय है ।